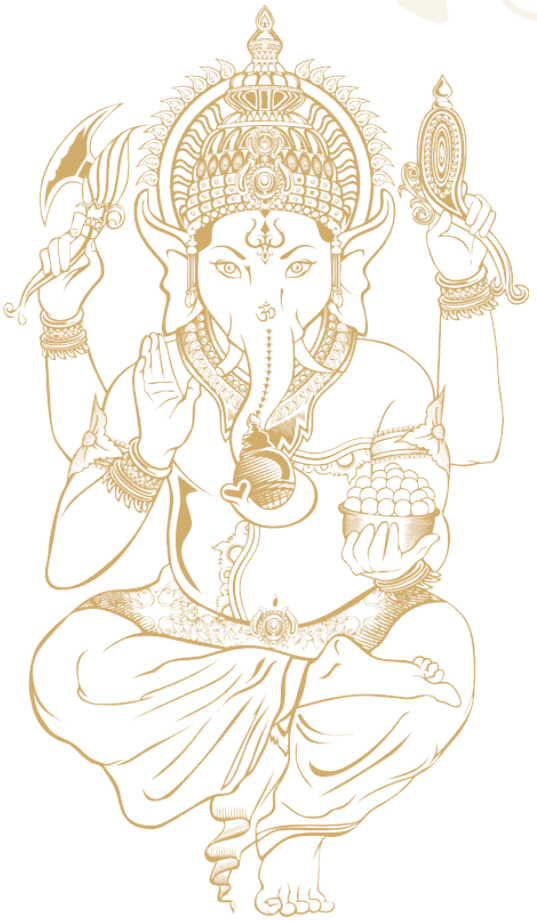

Vaibhav Gayatri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121404804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12-13/06/1999	जन्म तिथि	28/12/2005
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 01:45:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 49:59:29	जन्म समय(घटी)	02:25:13 घटी
India	देश	India
Jamner	स्थान	Jamner
20:47:00 उत्तर	अक्षांश	20:47:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:12	सूर्योदय	07:01:54
19:07:42	सूर्यास्त	17:54:27
23:50:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 11मा 18दि		19:34:02	मीन	लग्न	धनु	25:39:23	गुरु 0वर्ष 11मा 20दि	
राहु		27:34:31	वृष	सूर्य	धनु	12:30:33	बुध	
01/06/2013		14:02:31	वृष	चंद्र	वृश्चि	02:31:25	18/12/2025	
01/06/2031		01:04:23	तुला	मंगल	मेष	16:15:14	18/12/2042	
राहु	12/02/2016	16:48:17	मिथु	बुध	वृश्चि	25:58:25	बुध	15/05/2028
गुरु	07/07/2018	03:27:33	मेष	गुरु	तुला	18:43:11	केतु	12/05/2029
शनि	13/05/2021	12:54:55	कर्क	शुक्र व	मक	07:14:42	शुक्र	12/03/2032
बुध	01/12/2023	18:32:43	मेष	शनि व	कर्क	16:13:42	सूर्य	17/01/2033
केतु	18/12/2024	20:25:03	कर्क व	राहु व	मीन	15:33:39	चन्द्र	18/06/2034
शुक्र	19/12/2027	20:25:03	मक व	केतु व	कन्या	15:33:39	मंगल	15/06/2035
सूर्य	12/11/2028	22:45:24	मक व	हर्ष	कुंभ	13:38:34	राहु	02/01/2038
चन्द्र	14/05/2030	10:10:28	मक व	नेप	मक	21:54:52	गुरु	09/04/2040
मंगल	01/06/2031	14:56:22	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	00:48:22	शनि	18/12/2042

लग्न-चलित

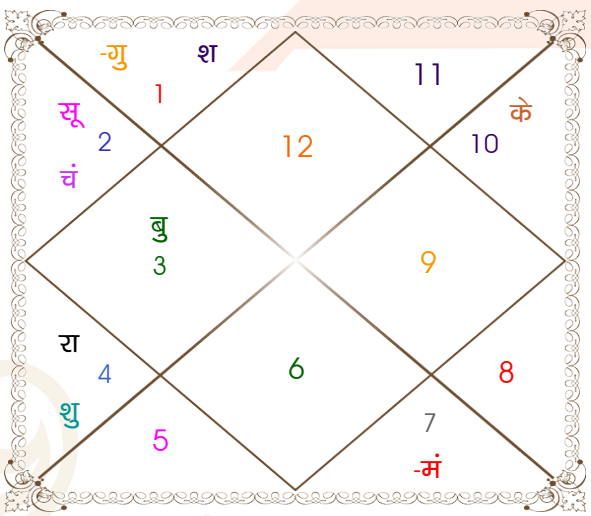

लग्न-चलित

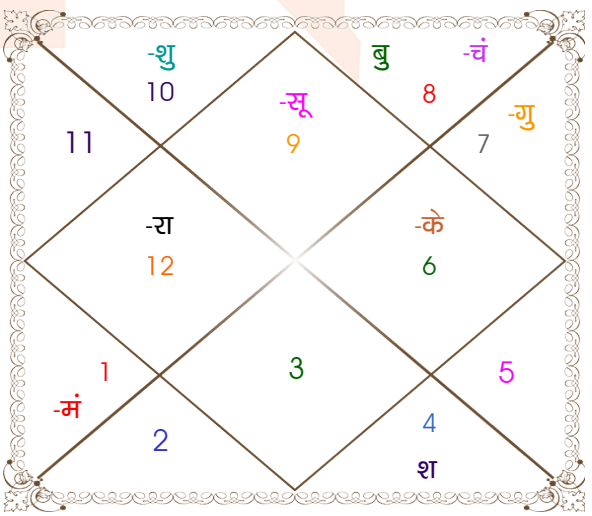

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Vaibhav का नक्षत्र रोहिणी है।

Vaibhav का वर्ग मृग है तथा Gayatri का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vaibhav और Gayatri का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Vaibhav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Gayatri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Gayatri कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vaibhav तथा Gayatri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।